बिहार सरकार
आपदा प्रबंधन विभाग

दिनांक– 30.09.2019, समय– 05.00 बजे अपराह्न

प्रेस विज्ञप्ति

माह सितम्बर 2019 में दिनांक 27.09.2019 से 29.09.2019 तक राज्य में अप्रत्याशित वर्षा होने एवं नदियों के जल स्तर में वृद्धि से पटना, भोजपुर, भागलपुर, नवादा, नालन्दा, खगड़िया, समस्तीपुर, लखीसराय, बेगूसराय, वैशाली, बक्सर, कटिहार, जहानाबाद, अरवल, दरभंगा जिले मुख्य रूप से बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इन जिलों में राज्य/जिला प्रशासन एवं एस0डी0आर0एफ0/एन0डी0आर0एफ0 टीम के माध्यम से प्रभावित जनसंख्या को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है, जिसमें 95 प्रखण्ड के 464 पंचायत के 758 गाँव की 1656607 जनसंख्या प्रभावित हुई है। इनके सहायतार्थ 17 राहत शिविर, 226 सामुदायिक रसोई, 1135 नाव 18 एन0डी0आर0एफ0/ एस0डी0आर0एफ0 टीम अहर्निश कार्य कर रहा है। इस दौरान अत्यधिक वर्षापात के कारण 22 मानव क्षति एवं 03 घायल होने की सूचना प्राप्त हुई है।

पटना शहर के जल–जमाव वाले क्षेत्रों में स्थिति से निपटने के लिये निम्न कार्रवाई की जा रही है :–

1. अप्रत्याशित एवं अत्यधिक वर्षा होने के कारण पटना शहर में जल–जमाव की स्थिति उत्पन्न होने के कारण संबंधित कुछ क्षेत्रों में विद्युत सब स्टेशनों में पानी घुसने के कारण विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध हो गयी थी, जिसे पुनर्ऊर्जान्वित करने हेतु पावर सब स्टेशनों से पानी निकालने का कार्य लगातार चल रहा है।

2. स्थिति से निपटने के लिए एन0डी0आर0एफ0 की 6 टीम, जिसमें 225 जवान शामिल हैं एवं एस0डी0आर0एफ0 की 2 टीम, जिसमें 81 जवान शामिल हैं, 49 मोटरबोट के सहयोग से जल–जमाव वाले क्षेत्रों में से लोगों को अपने घरों से सुरक्षित स्थानों पर लाया जा रहा है।

3. जल–जमाव वाले क्षेत्रों में प्रभावितों के बीच में वायुसेना के हेलिकॉप्टर से फूड पैकेट्स गिराये जा रहें हैं। फूड पैकेट में चुड़ा, गुड़, मोबवत्ती, दीया–सलाई, पानी का बोतल एवं आलू शामिल है।

4. जिला प्रशासन के द्वारा भी पेयजल, फूड पैकेट एवं दुग्ध का वितरण भी कराया जा रहा है तथा 06 स्थानों पर निःशूल्क कम्युनिटी किचेन का संचालन किया जा रहा है।

5. जल–जमाव वाले क्षेत्रों में जल निकासी हेतु पटना नगर निगम द्वारा तत्परता से कार्रवाई की जा रही है। जल निकासी हेतु तीन अतिरिक्त पम्प विलासपुर से लाया जा रहा है, जिससे जल निकासी में गति आयेगी।

6. जल–जमाव वाले क्षेत्रों में मरीजों को उनके घरों से अस्पतालों में ले जाने हेतु चिकित्सा दल के साथ एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है।

स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है।